| 35   | εν [απ αυτου μηδεν                 | 14 |
|--|------------------------------------|----|
| 36   | βλαψαν αυτον <sup>36</sup> και     | 14 |
| Ende der Kolumne nicht erhalten (Zeile 36)   |                                    |    |
|  |                                    |    |
| Fragment C Paris → 2. Kolumne nicht erhalten (Luk 4,36-40); wäre 86. Blatt S. 171 Kol. 2 des Codex |                                    |    |
| 01   | εγενετο θαμβος επι                 | 16 |
| 02   | παντας και συνελ-                  | 14 |
| 03   | αλουν προς αλλη-                   | 13 |
| 04   | λους λεγοντες τις                  | 15 |
| 05   | ο λογος ουτος οτι                  | 14 |
| 06   | εν εξουσια και δυν-                | 15 |
| 07   | αμει επιτασσει                     | 13 |
| 08   | τοις ακαθαρτοις                    | 14 |
| 09   | πνευμασιν και εξε-                 | 15 |
| 10   | ρχονται <sup>4,37</sup> και εξεπο- | 15 |
| 11   | ρευετο ηχος περι                   | 14 |
| 12   | αυτου εις παντα τοπ-               | 16 |
| 13   | ον της περιχωρου 38 αν-            | 16 |
| 14   | αστας δε απο της συν-              | 16 |